इकाई पॉच – 20 अंक

आगम के व्याख्या साहित्य का परिचय एवं महत्व
(निर्युक्ति, चूर्णि, भाष्य, टीका आदि एवं शौरसेनी आगम की प्रमुख टीकाएं)

सहायक पुस्तकें :

1– सूत्राकश्तांगसूत्र – सं. मुनि मधुकर (हिन्दी व्याख्या सहित)

2– जैन साहित्य का वृहत् इतिहास, भाग 1, 2 एवं 3

3– जैन आगम साहित्य–मनन और मीमांसा – देवेन्द्र मुनि शास्त्री

4– भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान – डॉ हीरालाल जैन

5– तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा, भाग 1–2 – डॉ. नेमिचन्द

6– प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ जगदीशचन्द्र जैन

7– आगम युग में जैन दर्शन – पं. दलसुखभाई मालवणिया

8– जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज – डॉ जगदीशचन्द्र जैन

9– शौरसेनी प्राकृत व्याकरण – डॉ उदयचन्द जैन 1989

10– प्राकृत गद्य–पद्य बन्ध, भाग 1–2 – प्राकृत शोध संस्थान, वैशाली

11– जैन योग का आलोचनात्मक अध्ययन – डॉ. अर्हतदास डिगे

प्रश्नपत्र अष्टम : जैनविद्या, सिद्धान्त एवं दर्शन

100 अंक

इकाई एक – 20 अंक

सम्मइसुत्तं (सिद्धसेन, तीसरा अनेकान्त खण्ड 1–70 गाथाएं) एवं समीक्षा

इकाई दो – 20 अंक

सिद्धान्त प्रतिपादन –

1– समणसुत्तं चयनिका (सोगानी) गाथा 1–60 (10 अंक)

2– दशवैकालिकसूत्र (1 से 4 अध्ययन)–10 अंक

इकाई तीन – 20 अंक

जैन दर्शन की समीक्षा –
सत्तास्वरूप, सप्ततत्व, कर्मसिद्धान्त, स्यादवाद एवं अनेकान्तवाद का विवेचन।

इकाई चार – 20 अंक

जैन आचार मीमांसा
गृहस्थाचार, श्रमणाचार, गुणस्थान, रत्नत्रय एवं मोक्ष–स्वरूप

इकाई पॉच – 20 अंक

जैन साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन एवं श्रमण परम्परा

(1) समाज, दर्शन, कला एवं शिक्षा आदि की दृष्टि से जैन साहित्य का मूल्यांकन–10 अंक

(2) तीर्थंकर ऋषभदेव, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर का जीवन दर्शन तथा समन्तभद्र, अकलंक, प्रभाचन्द्र, हेमचन्द्र, यशोभद्र दार्शनिक आचार्य के अवदान–10 अंक

सहायक पुस्तकें :

1– सन्मतिसूत्र (हिन्दी अनुवाद)–सम्पा. डॉ देवेन्द्र कुमार शास्त्री नीमच, 1978

2– समणसुत्तं, प्रकाषक सर्व सेवा संघ, वाराणसी

3– दशवैकालिक – एक समीक्षात्मक अध्ययन

4– तत्वार्थसूत्र, सम्पादक – पं. सुखलाल सिंघवी

5– जैन दर्शन, पं. महेन्द्र कुमार जैन

6– जैन धर्म–दर्शन – डा. मोहनलाल मेहता

7– जैन दर्शन – मनन और मीमांसा – मुनि नथमल

8– स्टडीज इन जैन फिलासफी– डॉ. नथमल टाटिया

9– जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज– डॉ. जगदीश चन्द जैन

10– कुवलयमालाकहा का सांस्कृतिक अध्ययन– डॉ. प्रेम सुमन जैन

11– ए क्अीकल स्टडीज आफ पउ्चरियं – डॉ के. आर. चन्द्रा

12– स्टॅडीज इन भगवतीसूत्र– डॉ. जे. सी. सिकदर

13– जैन–आचार सिद्धान्त और स्वरूप– देवेन्द्र मुनि

14– परमात्मा प्रकाश एवं योगसार, सम्पा. डॉ. उपाध्ये

15– जैनधर्म – पं कैलाशचन्द्र शास्त्री, मुजफ्फरनगर

16– जैनधर्म के प्रभावक आचार्य– साध्वी संघमित्रा

17– तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा

18– जैन दर्शन में आत्मविचार – डॉ लालचन्द जैन

(2) तीर्थंकर ऋषभदेव, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर का जीवन दर्शन तथा समन्तभद्र, अकलंक, प्रभाचन्द्र, हेमचन्द्र, यशोभद्र दार्शनिक आचार्य के अवदान–10 अंक

सहायक पुस्तकें :

1– सन्मतिसूत्र (हिन्दी अनुवाद)–सम्पा. डॉ देवेन्द्र कुमार शास्त्री नीमच, 1978

2– समणसुत्तं, प्रकाषक सर्व सेवा संघ, वाराणसी

3– दशवैकालिक – एक समीक्षात्मक अध्ययन

4– तत्वार्थसूत्र, सम्पादक – पं. सुखलाल सिंघवी

5– जैन दर्शन, पं. महेन्द्र कुमार जैन

6– जैन धर्म–दर्शन – डा. मोहनलाल मेहता

7– जैन दर्शन – मनन और मीमांसा – मुनि नथमल

8– स्टडीज इन जैन फिलासफी– डॉ. नथमल टाटिया

9– जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज– डॉ. जगदीश चन्द जैन

10– कुवलयमालाकहा का सांस्कृतिक अध्ययन– डॉ. प्रेम सुमन जैन

11– ए क्अीकल स्टडीज आफ पउ्चरियं – डॉ के. आर. चन्द्रा

12– स्टॅडीज इन भगवतीसूत्र– डॉ. जे. सी. सिकदर

13– जैन–आचार सिद्धान्त और स्वरूप– देवेन्द्र मुनि

14– परमात्मा प्रकाश एवं योगसार, सम्पा. डॉ. उपाध्ये

15– जैनधर्म – पं कैलाशचन्द्र शास्त्री, मुजफ्फरनगर

16– जैनधर्म के प्रभावक आचार्य– साध्वी संघमित्रा

17– तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा

18– जैन दर्शन में आत्मविचार – डॉ लालचन्द जैन